हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 135 | हल्द्वानी (नैनीताल) रविवार 29 मार्च 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

हवालबाग बीडीसी बैठक में उठीं पेयजल, बिजली और विकास कार्यों की समस्याएं

अल्मोड़ा(संवाददाता)। हवालबाग विकासखंड सभागार में शनिवार को आयोजित बीडीसी बैठक में जनपद स्तरीय सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में ग्राम प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। बैठक में बिमौला के ग्राम प्रधान ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए खेल मैदान की कमी का मुद्दा उठाया, जबकि देवलीखान में आंगनबाड़ी भवन के हस्तांतरण की समस्या सामने रखी गई। कृषि विभाग ने अपनी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं देवलीखान पशु सेवा केंद्र में शिविर लगाने की मांग भी की गई। प्रधान संगठन के महामंत्री एवं ग्राम प्रधान अथरबनी विनोद जोशी ने पंचायती राज विभाग द्वारा पांच प्रतिशत कंटीजेंसी राशि काटे जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकारी धनराशि से ही कटौती किए जाने से ग्राम प्रधानों के खातों में राशि भेजने का औचित्य समाप्त हो जाता है। इस पर सभी प्रधानों ने एकजुट होकर विरोध जताया। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति बाधित होने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। ग्राम प्रधान उसकोना देवेंद्र मेहरा ने भनर गांव पंपिंग योजना में पानी न मिलने की समस्या उठाई, जबकि स्यूरा के ग्राम प्रधान प्रमोद जोशी ने स्यूरा-बरशिमी पंपिंग योजना में खामियों की ओर ध्यान दिलाया। विद्युत समस्याओं को लेकर भगतोला के ग्राम प्रधान मनोहर सिंह ने छह माह से ट्रांसफार्मर न बदले जाने पर नाराजगी जताई। वहीं ग्राम प्रधान ढेली ने प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत का प्रस्ताव रखा। अन्य प्रधानों ने विद्यालयों के सुधारीकरण और बंद पड़े स्कूलों के वैकल्पिक उपयोग पर भी चर्चा की। बैठक में सड़क मरम्मत, वन्य जीवों से सुरक्षा और तारबाड़ जैसी समस्याएं भी उठाई गईं। ग्राम प्रधान फड़का मोहन सिंह कनवाल ने गौशाला और बकरी बाड़ा निर्माण के लिए 80 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित करने की मांग की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, बीडीओ एस. एस. दरियाल, एबीडीओ पंचायत प्रमेन्द्र पांडे, एसडीएम संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। संचालन एबीडीओ रमेश कनवाल ने किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेम लटवाल, संदीप कुमार, जमन सिंह, भूपेंद्र आर्य, सोनी पांडे, अनिल टम्टा, कमलेश आर्या, संतोष आर्या सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नौ साल के कार्यकाल में राज्य विकास के बजाय बदहाली की ओर बढ़ाः ऐठानी

बागेश्वर(संवाददता)। कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नौ साल के कार्यकाल में राज्य विकास के बजाय बदहाली की ओर बढ़ा है और जनता महंगाई, बेरोजगारी व असुरक्षा से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम आदमी परेशान है और रसोई गैस की किल्लत से लोग कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। उपनल कर्मचारियों के मुद्दे पर भी सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया।ऐठानी ने नकल विरोधी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में है। साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार न मिलने और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने पर भी चिंता जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनता की परेशानी और बढ़ेगी। इस दौरान कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष बागेश्वर प्रकाश आर्या, कुंदन गोस्वामी, दीवान टंगड़िया आदि मौजूद रहे।

गैस वितरण के लिए रोस्टर लागू, सूची के अनुसार ही मिलेगा सिलेंडर

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जनपद में गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति और व्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करने के लिए जिला पूर्ति कार्यालय ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत वितरण केंद्रवार उपभोक्ताओं की सूची और रोस्टर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार प्रतिदिन निर्धारित केंद्रों पर गैस का वितरण किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वितरण केंद्र पर उपभोक्ताओं की सूची एक दिन पहले ही चस्पा कर दी जाएगी, ताकि संबंधित उपभोक्ता निर्धारित क्रम में गैस प्राप्त कर सकें। सूची में शामिल उपभोक्ताओं को ही गैस दी जाएगी और अन्य लोगों से अनावश्यक भीड़ न लगाने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि यदि किसी उपभोक्ता का नाम सूची में होने के बावजूद सिलेंडर की कमी के कारण गैस नहीं मिल पाती है, तो ऐसे उपभोक्ताओं को अगले दिन प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही गैस बुकिंग के 10 दिन बाद ही सिलेंडर उपलब्ध होगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि डीएसी प्राप्त न होने की स्थिति में उपभोक्ता अपनी संबंधित गैस एजेंसी में मोबाइल नंबर और पता अपडेट करा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि वितरण केंद्रों पर अव्यवस्था या अशांति फैलाने वालों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से निर्धारित व्यवस्था का पालन करने और सहयोग देने की अपील की गई है, ताकि वितरण प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके।

भारत स्वाभिमान मोर्चा ने दिया आंदोलन को समर्थन

बागेश्वर(संवाददाता)। कांडा को पृथक विकासखंड बनाने मांग की मांग को लेकर कालिका मंदिर में छठे दिन भी महातपस्या जारी रही। आंदोलन के तहत महातपस्या कार्यक्रम में दीपक वर्मा तथा हिमांशु कांडपाल अनशन पर बैठे। आंदोलन को समर्थन देने भारत स्वाभिमान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र कोरंगा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलन को जायज ठहराते हुए कहा कि क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए पृथक विकासखंड की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शासन-प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक पहल करने की मांग की। कहा कि कांडा-कमस्यार घाटी का विकास आगे नहीं बढ़ सका है। विकास खंड के लिए उन्हें जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी होती है। इसमें उनका धन तथा समय बर्बाद हो रहा है। आंदोलनकारियों ने कहा कि वह अंतिम दम तक यह जंग लड़ेंगे। सरकारों ने कांडावासियों को छला है। इस अवसर पर हीरा सिंह कर्म्याल, किशोरी लाल वर्मा, रूप सिंह माजिला, बंशीधर कांडपाल, हेम कांडपाल, धनी राम, नवीन रौतेला, पंकज कुमार, जगदीश माजिला, हरीश कांडपाल, आलम मेहरा, महेश पंत, जितेंद्र वर्मा, कुंदन बोरा, बलवंत नगरकोटी, संजय साह, प्रकाश नगरकोटी आदि उपस्थित थे।

ईको टूरिज्म के मानचित्र में नई पहचान दिलाएगा जौलकांडे

बागेश्वर(संवाददाता)। प्राकृतिक संपदा और समृद्ध पक्षी विविधता अब जनपद के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रही है। इसी दिशा में जौलकांडे गांव में दो दिवसीय एडवांस बर्ड वॉचिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके माध्यम से क्षेत्र को इको-टूरिज्म के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि स्थानीय प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन मिले, तो वह अपनी प्राकृतिक विरासत के माध्यम से न केवल स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं।

चोरी की छह बाइक संग दो आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर(संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने चोरी की छह बाइकों संग दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली क्षेत्र से बीते दिनों बाइक चोरी की घटनाओं के खुलासे को कोतवाल हरेंद्र चौधरी ने पुलिस टीम का गठन किया था। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गुरुद्वारे के पीछे, ईदगाह के सामने दो युवकों को पकड़ लिया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

समस्याएं दूर नहीं हुई

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है।भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है।इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवत: 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

सौरभ वार्ष्णेय

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझौर देती है।अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताएं जुड़ी है।अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगाइसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।आत्महत्या नहींख्रजीवन का चयन करेंयह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती हैख्रसमझ, सहानुभूति और संवाद की।परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बातख्र हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। कठिन समय में मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। जीवन अनमोल है, और हर समस्या का समाधान संभव है, बस जरूरत है सही दिशा और सहयोग की।आइए, म सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां कोई भी व्यक्ति अकेलेपन और निराशा के कारण अपनी जिंदगी खत्म करने का विचार न करे। जीवन चुनें, क्योंकि हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक दबाव एक सामान्य वास्तविकता बन चुका है। पढ़ाई, नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएंख्र इन सबके बीच व्यक्ति कई बार स्वयं को असहाय और अकेला महसूस करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोग आत्महत्या जैसे कठोर कदम के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि स्थायी पीड़ा का कारण है।आत्महत्या एक पल की निराशा का निर्णय होता है, जबकि जीवन अनगिनत संभावनाओं से भरा होता है। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, और हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। जो आज असहनीय लग रहा है, वह समय के साथ हल्का हो सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने गहरे संघर्षों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अंतत: सफलता हासिल की।

नक्सलवाद का अंतिम अध्याय: 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल-मुक्त, अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत

नक्सल मुक्त भारत-मोदी-शाह की अमर देन

डॉ प्रदीप कुमार वर्मा

महज 29 दिन बाकी हैं। 31 मार्च 2026 को भारत का वो काला अध्याय खत्म होने जा रहा है, जिसने पिछले पांच दशकों से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों को खून से रंगा रखा था। लाल गलियारे का वो जाल, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों के जंगलों में फैला हुआ था, अब टूटने की कगार पर है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं कि वो लक्ष्य हासिल होने वाला है। सन 2000 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म प्रभावित जिलों की संख्या 200 थी। सन 2014 में यह संख्या 126 थी। 2025 तक यह घटकर 38 रह गई। आज सिर्फ सात जिले बचे हैं - छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड और ओडिशा में एक-एक। इनमें भी सिर्फ तीन को सबसे अधिक प्रभाविद्य माना जा रहा है। हिंसा 70 प्रतिशत से ज्यादा घटी है। नागरिक और सुरक्षाबलों के शहीद होने की संख्या न के बराबर रह गई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में ही 2337 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं - 2024 के 881 की तुलना में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी। 317 नक्सली मारे गए। हजारों गिरफ्तार हुए।ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि एक रणनीति की जीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ बहुआयामी लड़ाई लड़ी। सिर्फ गोली नहीं, विकास भी।केन्द्र शासित राज्यों में डबल इंजन्न सरकार ने सड़कें, मोबाइल टावर, स्कूल, अस्पताल और रोजगार दिए। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलियों की भर्ती का सबसे बड़ा आधार - बेरोजगारी और पिछड़ापन - खत्म हुआ। झारखंड इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। एक समय यह राज्य नक्सलवाद का गढ़ था। 2014-19 में मुख्यमंत्री रघुबर दास के नेतृत्व में, जब केंद्र में भी मोदी सरकार थी, नक्सल समस्या में भारी कमी आई। सड़कों का जाल बिछा, पुलिस स्टेशन मजबूत हुए, स्थानीय युवाओं को नौकरियां मिलीं। आज झारखंड में नक्सली गतिविधियां न के बराबर हैं। डबल इंजन की ताकत यही है - सुरक्षा के साथ विकास। अमित शाह ने न सिर्फ सुरक्षा बलों को खुली छूट दी, बल्कि केंद्र-राज्य तालमेल को भी नया रूप दिया। उन्होंने बार-बार कहा - ष्नक्सली या तो सरेंडर करो, वरना खत्म होने के लिए तैयार रहो।ष और सुरक्षा बलों ने ठीक वैसा ही किया। 2025 की कुछ बड़ी घटनाएं याद कीजिए: मई 2025 में छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में ऑपरेशन कागद्य (या ब्लैक फॉरेस्ट) में माओइस्ट के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बासवराजू समेत 27 नक्सली ढेर कर दिए गए। यह तीन दशकों का सबसे बड़ा झटका था। इसी वर्ष जनवरी 2026 में झारखंड के वेस्ट सिंहभूम जिले में ऑपरेशन मेगाबुद्य में 16 नक्सली मारे गए, जिनमें सेंट्रल कमिटी सदस्य आनंद उर्फ पटिराम मांझी (एनाल दा) शामिल था। उस पर 2.35 करोड़ का इनाम था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पौड़ी जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने अपने दो दिवसीय पौड़ी दौरे के दौरान जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही सेवाओं और चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। राज्यपाल ने अधिकारियों से अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी मांगे। दौरे के दूसरे दिन उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लिया और पौड़ी जिला पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी समाज की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। पुस्तकालय के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलेगा, वहीं अस्पताल की बेहतर सेवाएं आमजन को राहत देंगी। राज्यपाल ने स्थानीय जनता से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन का उद्देश्य जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध कराना है। पौड़ी दौरे के दौरान राज्यपाल की पहल से जिले में विकास और जनकल्याण की दिशा में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर अलर्ट, निर्माण कार्यों को पूर्व में दी गई अनुमतियां निरस्त

देहरादून(संवाददाता)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस हाईवे के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित प्रतिभाग एवं जनपद भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर शासन-प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। प्रशासन ने जनपद में संभावित रूट पर चल रहे समस्त निर्माण कार्यों को पूर्व में दी गई अनुमतियां कार्यक्रम तक निरस्त कर दी हैं। शनिवार को डीएम सविन बंसल ने प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। डीएम ने कार्यक्रम की व्यापक तैयारियों की समीक्षा की और जरूरी निर्देश जारी किए। डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच), एनएचएआई एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग का तत्काल निरीक्षण कर लें। मार्ग पर आवश्यक सौन्दर्यीकरण, डिवाइडर मरम्मत, सड़क सुधार एवं अन्य कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करें। उन्होंने यूपीसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभावित रूट पर अंडरग्राउंड केबलिंग कार्यों के अंतर्गत सड़क किनारे पड़ी केबलों को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने मंच निर्माण, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग व्यवस्था, बैठने की समुचित व्यवस्था, मोबाइल शौचालय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर निगम को कार्यक्रम स्थल एवं संभावित रूट पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीएम बंसल ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर जनपद में संभावित रूट पर चल रहे समस्त निर्माण कार्यों को पूर्व में दी गई अनुमतियां कार्यक्रम तक तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं, ताकि किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।जिलाधिकारी ने कहा कि तैयारियों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल, सीडीओ अभिनव शाह, अपर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम प्रवीन कुमार, एडीएम केके मिश्रा, एसपी सिटी प्रमोद कुमार, आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार...

गैस संकटः वैश्विक युद्ध और अमेरिकी नीतियों पर जताया आक्रोश

देहरादून(संवाददाता)। संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से रेसकोर्स में श्घरेलू गैस की किल्लत के मूल कारण और भारतीय विदेश नीतिश विषय पर आयोजित संवाद में प्रबुद्ध नागरिकों ने वर्तमान गैस संकट के लिए वैश्विक परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराया। वक्ताओं ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध और रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों की तपिश अब आम आदमी की रसोई तक पहुंच चुकी है। संवाद में नागरिकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों और रूसी तेल आयात पर पाबंदियों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे शहिटलरशाहीश करार दिया। उन्होंने भारत द्वारा रूस से 6 करोड़ बैरल तेल खरीदने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि भारत को गुटनिरपेक्ष शक्ति के रूप में विश्व शांति के लिए आवाज उठानी चाहिए। इस दौरान मौजूद क्षेत्रीय खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी संतोष भट्ट ने बताया कि जिले में 90 हजार घरेलू सिलेंडरों के बैकलॉग को तेजी से कम किया जा रहा है। वर्तमान में रोजाना 17 हजार सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है, जिससे ऑनलाइन बुकिंग के 4-5 दिन के भीतर गैस मिल रही है। इस मौके पर दिनेश भंडारी, ब्रिगेडियर केजी बहल, प्रदीप कुकरेती और सुशील त्यागी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यूकेडी नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष प्रबीन चन्द रमोला ने शनिवार को केंद्रीय कार्यालय में हुई प्रेस वार्ता शासन प्रशासन पर जनता के मुद्दों को गंभीरता से लेकर समाधान की ओर लेकर ले जाने की सलाह दी है। उन्होंने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के बाद यूकेडी कार्यकर्ताओं पर दर्ज किए मुकदमे को वापस लेने और ऐसा न करने पर जनांदोलन की चेतावनी दी है। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उनके नेतृत्व में निजी स्कूलों में अवैध रूप से हो रही शुल्क वृद्धि, शिक्षा के अधिकार में अपात्रों का चयन कर असहाय परिवारों को वंचित रखने तथा निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के वेतन ना देने को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से शिक्षा मंत्री को शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपा गया, जिसकी सूचना पूर्व में जिलाधिकारी कार्यालय को दे दी गयी थी, लेकिन ज्ञापन सौंपने के दो दिन बाद जिस प्रकार से उक्रांद कार्यकर्ताओं के खिलाफ गैर संवैधानिक प्रकार से मुकदमे दर्ज किये गए, यह सत्तासीन दल द्वारा पोषित शिक्षा माफियाओं की बौखलाहट को साफ दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देश में जिस प्रकार नौकरशाह जनता की आवाज को ना सुनकर केवल सत्तासीन पार्टी के बनकर रह गए हैं, यह आम जन मानस के संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

जूनियर महिला हॉकी नेशनल के लिए हल्द्वानी में 2 अप्रैल को चयन ट्रायल

देहरादून(संवाददाता)। 16 वीं जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चौंपियनशिप के लिए उत्तराखंड टीम के चयन ट्रायल 2 अप्रैल को हल्द्वानी स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम गौलापार में प्रातः 9 बजे से शुरू होंगे। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 29 अप्रैल से 10 मई तक पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित की जाएगी, जिसमें भाग लेने के लिए 'हॉकी उत्तराखंड' की टीम का चयन किया जाएगा। ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग लेने को पात्र होंगे जिनकी जन्म तिथि 1 जनवरी 2007 या उसके बाद की है। सभी खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया के प्लेयर पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ वैध पहचान पत्र, हॉकी किट एवं उपकरण, पासपोर्ट आकार के फोटो तथा आवश्यकतानुसार फिटनेस प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। हॉकी उत्तराखंड के महासचिव नरेंद्र सिंह बफिला ने प्रदेश के सभी जिला हॉकी संघों से अपील की है कि वे अपने-अपने जिलों में इस सूचना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी चयन ट्रायल में भाग लेकर राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकें।जूनियर नेशनल हॉकी चौंपियनशिप के लिए 2 अप्रैल को हल्द्वानी में ट्रायल10 से 22 जून तक कोयंबटूर में होगी प्रतियोगिताउत्तराखंड टीम चयन के लिए गौलापार स्टेडियम में आयोजनदेहरादून, वरिष्ठ संवाददाता।16 वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चौंपियनशिप के लिए राज्य स्तरीय चयन ट्रायल आगामी 2 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। यह ट्रायल हल्द्वानी स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम गौलापार में प्रातः 9 बजे से शुरू होंगे।यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 10 जून से 22 जून तक कोयंबटूर(तमिलनाडु) में आयोजित की जाएगी, जिसमें भाग लेने के लिए उत्तराखंड की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। जिनकी जन्म तिथि 1 जनवरी 2007 या उसके बाद की है। सभी खिलाड़ियों के लिए हॉकी के प्लेयर पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। हॉकी उत्तराखंड के महासचिव नरेंद्र सिंह बफिला ने जानकारी दी कि खिलाड़ियों को ट्रायल के दौरान वैध पहचान पत्र, हॉकी किट, पासपोर्ट साइज फोटो और आवश्यकतानुसार फिटनेस प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। हॉकी उत्तराखंड ने प्रदेश के सभी जिला हॉकी संघों से अपील की है कि वे अपने-अपने जिलों में इस सूचना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी ट्रायल में भाग लेकर राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त कर सकें।

एम्बेडेड सिस्टम्स और आईओटी कार्यशाला से छात्रों को मिली नई दिशा

देहरादून(संवाददाता)। शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग की ओर से सॉफकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एम्बेडेड सिस्टम्स व इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) विषय पर एक विस्तृत व प्रायोगिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उध्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ उद्योग की आवश्यक्ताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था। कार्यक्रम में ईसीई विभाग के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में हिस्सा लिया।

स्वास्थ्य सेवाओं पर मंत्री सुबोध उनियाल की पैनी नजर, नंदगांव सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने घनसाली प्रवास के दौरान आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदगांव का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गहन समीक्षा की। साथ ही उपचाराधीन मरीजों से संवाद कर उनका फीडबैक भी प्राप्त किया। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक मरीज को बेहतर और समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हाईवे की दीवार टूटने से झूलने लगे सिंचाई के पाइप

उत्तरकाशी(संवाददाता)। नगुण पट्टी के ग्राम पंचायत खांड-बिड़कोट में सिंचाई के लिए बनाई गई आठ इंच मोटी पाइप लाइन परेशानी का सबब बन गई है। करीब 15 साल बाद बनी नहर कभी आपदा से तो कभी सड़क की दीवार टूटने से क्षतिग्रस्त हो रही है। इससे विभाग के लिए नहर की मरम्मत करना बड़ी चुनौती बन गई है। थौलधार ब्लॉक में खांड-बिड़कोट की नहर चंबा-धरासू राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के दौरान करीब 15 साल पहले क्षतिग्रस्त हो गई थी। ग्रामीणों की ओर से लगातार नहर की मरम्मत करने की मांग उठाने के बाद दो साल पहले ही नहर बनाने के लिए बीआरओ ने 1.28 करोड़ रुपये सिंचाई विभाग को दिए थे। सिंचाई विभाग ने डिक्यारा गाड से एक किमी दूर गांव तक आठ इंच मोटे पाइप बिछाकर सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया था। वर्षों इंतजार के बाद खेतों की सिंचाई के लिए पानी मिलने पर काश्तकार काफी राहत में थे लेकिन अगस्त 2025 में आई आपदा से नहर का हेड क्षतिग्रस्त हो गया। सात-आठ माह इंतजार के बाद सिंचाई विभाग ने अस्थायी व्यवस्था कर पानी चलाया लेकिन चार माह बाद फिर से राष्ट्रीय राजमार्ग की दीवार टूटने से करीब 30 मीटर पाइप हवा में झूलने लगे हैं जिससे विभाग ने लाइन टूटने के खतरे को देखते हुए नहर से पानी की आपूर्ति बंद कर दी है। गांव की प्रधान लता देवी, बलदेव सिंह कुमाई, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य नारायण सिंह चौहान और पूर्व प्रधान रूपराम ने बताया कि नहर पर पानी बंद होने से लोग परेशान हैं। काश्तकार इन दिनों नकदी फसल की बुवाई कर रहे हैं लेकिन सिंचाई के लिए पानी नहीं होने के कारण लोगों की दिक्कतें बढ़ गई है। काश्तकारों ने कहा कि पाइप की सुरक्षा के दीवार लगा दी जाती तो नहर पर पूरा पानी चलाया जा सकता है। उन्होंने विभाग से पाइप लाइन की सुरक्षा के लिए दीवार लगाने की मांग की है। इस बाबत सिंचाई विभाग के अवर अभियंता उत्तम दास का कहना कि सड़क की सुरक्षा दीवार बीआरओ की है। उन्हें पत्र भेज दिया गया है।

रसोई गैस सिलिंडर के लिए सुबह छह बजे से लाइन लगनी शुरू

नई टिहरी(संवाददाता)। रसोई गैस सिलिंडर के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। सिलिंडर रिफिल कराने के लिए लंबी लाइन लगने के कारण कई लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। रसोई गैस का पर्याप्त कोटा मिलने के दावे के बावजूद लोग खाली सिलिंडर लेकर सुबह छह बजे से ही बौराड़ी बस अड्डे पर लाइन लगाने को मजबूर हैं। रसोई गैस के लिए लोगों को अब भी खूब पसीना बहाना पड़ रहा है। सुबह छह बजे से दोपहर करीब 12 बजे सिलिंडर समाप्त होने तक लोग लाइन में खड़े होने को मजबूर हैं। जिले को रसोई गैस का पर्याप्त कोटा मिलने के दावा करते हुए पूर्ति विभाग ने पहले की तरह ही मोहल्ले में ही रसोई गैस उपलब्ध कराने का दावा किया था लेकिन घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी कई लोगों को खाली हाथ लौटने को मजबूर होना पड़ा। हालांकि यहां जिला मुख्यालय में दो दिन बाद सप्लाई पहुंची। जिससे शनिवार को लोग सिलिंडर रिफिल कराने सुबह छह बजे से ही बौराड़ी बस अड्डे पहुंचने शुरू हो गए थे। रसोई गैस सिलिंडर लेने के लिए लाइन में खड़े यशपाल रावत ने बताया कि वे सी ब्लॉक नई टिहरी से सुबह छह बजे बस अड्डे पहुंच कर लाइन में खड़े हो गए हैं। उसके बाद 10 बजे से वितरण शुरू हुआ तो साढ़े 10 बजे सिलिंडर मिल पाया। कुड्डा गांव से बौराड़ी बस अड्डे पर गैस सिलिंडर के लिए पहुंचे अलेल सिंह ने कहा कि वे सात बजे आए लेकिन सिलिंडर मिलेगा कि नहीं कुछ पता नहीं है। लाइन लंबी होने के कारण अन्य लोग भी इसी तरह असमंजस में थे। परेशान लोगों ने रसोई गैस का कोटा बढ़ाने की मांग की है।रसोई गैस का पर्याप्त कोटा मिल रहा है। लोग अनावश्यक लाइन लगा रहे हैं। आसपास गांव से भी लोग यहां पहुंच रहे हैं जिससे भीड़ बढ़ रही है। नगर क्षेत्र में पहले की तरह आपूर्ति करने की योजना है लेकिन लोग बौराड़ी बस अड्डे पर लाइन लगा रहें हैं। उपभोक्ता धैर्य रखें सबको समय पर रसोई गैस मिलेगी।- मनोज डोभाल, डीएसओ, टिहरी।

संसाधनों के अभाव में जूझ रहा है बालगंगा महाविद्यालय

नई टिहरी(संवाददाता)। बालगंगा महाविद्यालय में कक्षा-कक्षों और प्रयोगशालाओं का अभाव छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। हर साल बढ़ती छात्रसंख्या के बावजूद संसाधनों का विस्तार नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वर्तमान में महाविद्यालय में करीब 700 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। कक्षा-कक्ष और प्रयोगशालाओं की संख्या 15 तक ही सीमित रह गई है। महाविद्यालय में सबसे अधिक दिक्कत विज्ञान संकाय के छात्रों को हो रही है। प्रयोगशालाओं के अभाव में छोटे-छोटे कमरों में ही प्रयोगात्मक कार्य कराए जा रहे हैं। जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। भिलंगना टिहरी जिले का सबसे बड़ा विकासखंड है जहां 180 ग्राम पंचायतें आती हैं। उच्च शिक्षा के लिए यही एकमात्र संस्थान है। वर्ष 1991 में क्षेत्रीय लोगों ने अपने संसाधनों से सेंदुल में निजी भवन पर महाविद्यालय की स्थापना की थी।

चारधाम यात्रा रूट पर पुलिस लगाएगी 100 नए सीसीटीवी कैमरे

नई टिहरी(संवाददाता)। चारधाम यात्रा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पुलिस विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। चारधाम यात्रा मार्ग पर पुलिस विभाग 100 नए सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। यात्रा के मुख्य पड़ाव पर ड्रोन कैमरों से निगरानी करेगी। टिहरी जिले में चारधाम यात्रा रूट का करीब 450 किलोमीटर का हिस्सा है। जिले में ढालवाला, मुनिकीरेती और तपोवन यात्रा के मुख्य पड़ाव है। इन पड़ाव पर यात्री वाहनों का अधिक दबाव रहता है। पुलिस यात्रा के दौरान ढालवाला, मुनिकीरेती और तपोवन क्षेत्र में यात्री वाहनों की ड्रोन कैमरों से निगरानी करेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी आयुष अग्रवाल ने बताया कि चारधाम यात्रा व्यवस्थित ढंग से संपादित करने के लिए पुलिस विभाग की ओर से चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले 100 नये सीसीटीवी कैमरे लगायेगी। सभी सीसीटीवी को आसपास के थाना और चौकी के कंट्रोल रूप से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासन, बीआरओ, एनएच और लोनिवि के अधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी। बैठक में यात्रा रूट पर पड़ने वाले सभी डेंजर जोन को ठीक करने को कहा गया है। एसएसपी ने कहा कि यात्रा के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार कर दिया गया है। ढालवाला, मुनिकीरेती और तपोवन क्षेत्रों से प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने का कार्य चल रहा है। यात्रा रूटों के नये डेंजर प्वाइंट पर अतिरिक्त पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। रानीपोखरी-गुजराड़ा सड़क पर एक अस्थाई पुलिस चेक पोस्ट बनाई जाएगी। इसके अलावा ढालवाला, व्यासी, कोटी कॉलोनी और घनसाली में एसडीआर की टीम तैनात रहेगी। संभावित स्थानों पर जल पुलिस की तैनाती कर दी जाएगी। बताया 100 नये सीसीटीवी कैमरे लग जाने के बाद चारधाम यात्रा रूट पर कुल 214 कैमरे हो जाएंगे। चारधाम यात्रा रूट पर सीसीटीवी की मद्द पुलिस रखेगी नजर: सीसीटीवी कैमरों की मद्द से आपराधिक गतिविधियों रोक लगने के साथ संदिग्ध वाहनों की होगी पहचान। दुर्घटना की स्थिति में कंट्रोल रूम को तत्काल सूचना मिलेगी। तेज स्पीड गलत वाहनों संचालन करने पर ई चालन किए जाएंगे। हाईवे पर वाहनों की गति और आवाजाही के साथ नाइट विजन कैमरों की मद्द से 24 घटे वाहनों और पर्यटकों पर पुलिस की नजर रख सकेगी।

थत्यूड़ बाजार में लगी सौर ऊर्जा लाइटें लंबे समय खराब

उत्तरकाशी(संवाददाता)। बाजार में लगी अधिकांश सौर ऊर्जा लाइटें लंबे समय खराब पड़ी है जिससे बाजार और मोहल्लों की गलियों में अंधेरा पसरा है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार, जगत सिंह असवाल ने बताया कि बाजार में पर्याप्त मात्रा में स्ट्रीट लाइटें नहीं लगी होने से शाम होते ही बाजार और मोहल्लों को जाने वाले रास्तों में अंधेरा छा जाता है। कई वर्ष पूर्व थत्यूड़ बाजार में जिला पंचायत की ओर लगाई लाइटें धीरे-धीरे खराब हो गई है। कई लाइटों से चोरों ने उनकी बैटरियां चुरा ली है। पर्याप्त मात्रा में स्ट्रीट लाइट नहीं लगी होने से बाजार में चोरी का भय बना रहता है। व्यापार मंडल की ओर से बाजार में 30 स्ट्रीट लाइट लगाने का प्रस्ताव पूर्व में जिला पंचायत टिहरी को दिए जाने के साथ ही खराब पड़ी लाइटों की मरम्मत की मांग की गई है लेकिन एक भी नई लाइट नहीं लग पाई है। थत्यूड़ बाजार से जिला पंचायत को बराबर राजस्व जाता है बावजूद बाजार में सुविधाओं का अभाव बना है। बाजार में मात्र दो से तीन लाइटें ही सही है। उन्होंने जिला पंचायत से बाजार में शीघ्र नई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है। इस बाबत जिला पंचायत के कार्यकारी अधिकारी एसएस कठैत ने कहा कि जिला पंचायत की ओर से ग्रामीण बाजारों में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य चल रहा है। थत्यूड़ बाजार में भी जल्द सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट लगा दी जाएगी। पुरानी लाइटों की मरम्मत का प्रयास किया जाएगा।

महिलाओं ने लगाई उत्पादों की प्रदर्शनी

उत्तरकाशी(संवाददाता)। डुंडा विकासखंड में ग्रामीण विकास विभाग और जिला उद्योग केंद्र की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में किसान, महिला समूह, खरीदार और व्यवसाय से जुड़े लोग शामिल हुए। महिलाओं ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई। कार्यक्रम का मकसद सभी को एक साथ लाकर व्यापार के नए मौके देने का था। कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि किसानों और उद्यमियों को हरसंभव मदद दी जाएगी। ऐसे कार्यक्रम आगे भी कराए जाएंगे। इस दौरान 17 समझौते हुए जिनमें कृषि उत्पाद, पैकेजिंग और मार्केटिंग से जुड़े काम शामिल हैं। जिलाधिकारी ने विभागों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया और अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और ऐसे मंच महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सीडीओ जय भारत सिंह ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम गांव के महिला एवं पुरुष उद्यमियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। जनपद में पहली बार ग्रामीण उद्यमियों एवं खरीदारों के बीच इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिलाध्यक्ष भाजपा नागेंद्र चौहान, ब्लॉक प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार, ब्लॉक प्रमुख चिन्यालीसौड़ रणवीर सिंह महंत, उपजिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा, पीडी डीआरडीए अजय सिंह, एपीडी रमेश चंद्र, जीएम डीआईसी शैली डबराल आदि थे।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर चल रहे कार्यों का ईई ने किया निरीक्षण

उत्तरकाशी(संवाददाता)। चारधाम यात्रा व्यवस्था के तहत यमुनोत्री पैदल मार्ग को सुरक्षित आवागमन के लिए सुचारू करने के प्रयास निरंतर जारी हैं। मार्ग पर चल रहे कार्यों को देखने के लिए बड़कोट लोनिवि के अधिशासी अभियंता शनिवार को यहां पहुंचे। उन्होंने मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया और मजदूरों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। लोनिवि के अधिशासी अभियंता तरुण कांबोज ने जानकीचट्टी-यमुनोत्री पैदल मार्ग पर जगह-जगह हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मार्ग को शीघ्र दुरुस्त कर श्रद्धालुओं के लिए सुचारू और सुरक्षित आवाजाही के लिए बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बारिश और बर्फबारी के कारण मार्ग को काफी नुकसान पहुंचा है। बीच में मौसम खराब होने के कारण कार्यों को पूरा करने में बाधाएं आ रही है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घोड़ा पड़ाव क्षेत्र से लगी भूमि व जिला पंचायत के शौचालयों के ऊपर मजदूरों के लिए प्रस्तावित शेड निर्माण स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही मजदूरों के लिए शेड और घोड़ा पड़ाव की अतिरिक्त व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएगी जिससे यात्रा के दौरान व्यवस्थाएं और अधिक सुचारू हो सकें।

जर्जर पुल से आवाजाही करने को छात्र मजबूर

नई टिहरी(संवाददाता)। तहसील के बंचाणगांव और चपटाड़ी गांव के बीच मैड़ा खड्ड पर बना वर्षों पुराना पैदल पुल अब पूरी तरह जर्जर हो गया है। पुल की खराब स्थिति के कारण यहां से गुजरने वाले ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को हर वक्त खतरा सताता है। लंबे समय से पुल के पुनर्निर्माण की मांग के बावजूद अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बंचाणगांव से करीब 40 छात्र-छात्राएं प्रतिदिन राजकीय इंटर कॉलेज सरनौल पढ़ने जाते हैं जिन्हें मजबूरन इसी जर्जर पुल से होकर गुजरना पड़ता है। इन दिनों खड्ड में पानी कम होने के कारण कुछ लोग सीधे खड्ड से आवाजाही कर लेते हैं लेकिन बरसात में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अरविन्द कुमार पाण्डे ने औचक निरीक्षण के दौरान गंभीर लापरवाही उजागर हुई

नैनीताल (संवाददाता)। /भीमताल में मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे ने औचक निरीक्षण के दौरान गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हुआ है। सीडीओ अरविंद पाण्डे खुद मरीज बनकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमताल पहुंचे निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में 15 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल प्रभाव से सभी का वेतन रोकने के निर्देश सीएमएस को दिए। इसी क्रम में सीडीओ ने विकास खंड कार्यालय भीमताल का भी औचक निरीक्षण किया, जहां 6 कर्मचारी गैरहाजिर मिले। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को इन कर्मचारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कुछ कर्मचारियों ने भ्रमण पंजिका में कई दिन पहले का दौरा दिखाया, लेकिन उसके बाद कार्यालय नहीं पहुंचे। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिएअस्पताल की व्यवस्थाओं की गहन जांच में दवाइयों की एक्सपायरी डेट, मरीजों को दी जा रही दवाएं और मशीनों (अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे) की स्थिति भी परखी गई। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि मरीजों को बाहर की दवाइयां न लिखी जाएं। साथ ही साफ-सफाई और समय पर उपस्थिति को लेकर सख्त निर्देश दिए गए

वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

हल्द्वानी (संवाददाता)। / उत्तराखंड की सियासी पॉलिटिकल फील्ड में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आज नई दिल्ली में कई वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

रुद्रपुर से पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल सितारगंज से पूर्व विधायक नारायण पाल घनसाली से पूर्व विधायक भीमलाल आर्य रुड़की से पूर्व मेयर गौरव गोयल रामगढ़ से पूर्व ब्लॉक प्रमुख लाखन सिंह नेगी मसूरी से पूर्व पालिकाध्यक्ष अनुज गुप्ता ये सभी नेता आज कांग्रेस के सदस्य बने और पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल हो गए। कई दिनों से इन नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने की चर्चाएं और कयास लगाए जा रहे थे। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा थी कि उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी में है। आज इस उम्मीद को सच कर दिया गया और सभी छह नेताओं ने नई दिल्ली में कांग्रेस में अपनी सदस्यता दर्ज करवाई। इतिहास पर नजर डालें तो नारायण पाल सितारगंज से 2002 और 2007 में दो बार विधायक रह चुके हैं। वहीं, राजकुमार ठुकराल रुद्रपुर सीट से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। इनके शामिल होने से कांग्रेस के स्थानीय समीकरण और मजबूत होने की संभावना बढ़ गई है। अन्य नेताओं में भीमलाल आर्य, गौरव गोयल, लाखन सिंह नेगी और अनुज गुप्ता भी अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व रखते हैं। इनके शामिल होने से पार्टी को न केवल संगठनात्मक मजबूती मिलेगी, बल्कि आगामी चुनावों में स्थानीय तौर पर वोट बैंक मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

वन विभाग के एक कर्मी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

हल्द्वानी (संवाददाता)। जागेश्वर। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सतर्कता अधिष्ठान की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग के एक कर्मी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप हैकि उसने कार्य से जुड़े भुगतान और पंजीकरण नवीनीकरण के नाम पर शिकायतकर्ता से 25,500 रुपये की घूस मांगी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर हल्द्वानी में दर्ज मामले में वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय जागेश्वर में बाबू/फॉरेस्टर के पद पर तैनात आरोपी नवीन नौटियाल को शिकायतकर्ता जय प्रकाश से लीसा गडान-ढुलान कार्य के पंजीकरण नवीनीकरण और लंबित बिलों के भुगतान के एवज में रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। टीम ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मामले में एक अन्य आरोपी के रूप में वन क्षेत्राधिकारी रेंज जागेश्वर, सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा का नाम भी सामने आया है,जिनके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विजिलेंस की इस कार्रवाई से साफ संकेत गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के तहत बड़ी कार्रवाई

नैनीताल (संवाददाता)। जनपद में कानून-व्यवस्था को सख्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने एक अहम कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के तहत बड़ी कार्रवाई की है। जिला मजिस्ट्रेट नैनीताल ललित मोहन रयाल ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए 9 आरोपियों को "गुंडा" घोषित करते हुए 6 माह के लिए जनपद की सीमा से बाहर (जिला बदर) करने का आदेश जारी किया है।जिन पर हुई कार्रवाई प्रशासनिक आदेश के अनुसार जिन आरोपियों को जिला बदर किया गया है, उनमेंराहुल पुत्र रमेश (बंबाघेर, थाना रामनगर) जुआ अधिनियम के 7 व गैंगस्टर एक्ट का 1 मुकदमासंजय आर्य पुत्र रमेश चंद्र (बागजाला, थाना काठगोदाम) आबकारी, एनडीपीएस व आईपीसी के 13 मुकदमेअनुज राज सिंह पुत्र रमेश सिंह (चोरपानी थाना रामनगर) आईपीसी के 4 व शस्त्र अधिनियम 1 पर मुकदमा, शाहिद पुत्र मोहम्मद रफी (खताड़ी, रामनगर) आईपीसी के 4 मुकदमे कौशल चिलवाल पुत्र राजेंद्र चिलवाल (इंदिरा कॉलोनी, रामनगर) ख्र आईपीसी के 5 मुकदमे सलमान पुत्र रईस अहमद (थाना बनभूलपुरा) आर्म्स एक्ट, आईपीसी व एनडीपीएस के विभिन्न मुकदमे मोहसिन पुत्र नासिर (पप्पू का बगीचा, बनभूलपुरा) एनडीपीएस के कई मुकदमेशादाब पुत्र सज्जाद (थाना बनभूलपुरा) आर्म्स एक्ट व आईपीसी के 7 मुकदमेप्रदीप सागर अमन पुत्र पूरनचंद सागर (लामाचौड़, थाना मुखानी) ख्र एनडीपीएस, आबकारी व आईपीसी के 9 मुकदमेप्रशासन के अनुसार इन सभी का आपराधिक इतिहास गंभीर है.इसी आधार पर इनको जनपद नैनीताल की सीमा से 6 माह के लिए बाहर किया गया है.

मीडिया कर्मियों ने सरकार पर लगाया पत्रकारों का उत्पीड़न करने का आरोप

चम्पावत (संवाददाता)। चम्पावत के मीडिया कर्मियों ने सत्ता के इशारे पर खटीमा के भाजपा नेता द्वारा पत्रकार पर मुकदमा दर्ज करने का विरोध किया है। उन्होंने पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने पर नाराजगी जताई। बाद में डीएम और एसपी को ज्ञापन भेजा। चम्पावत मोटर स्टेशन में शनिवार को मीडिया कर्मियों ने खटीमा के भाजपा नेता का पुतला फूंका। कहा कि खटीमा के पत्रकार दीपक फुलेरा ने रसोई गैस संकट को लेकर ग्राउंड रिपोर्टिंग की। इसको लेकर सत्ता के इशारे पर एक भाजपा नेता ने मामला दर्ज कराया। पत्रकारों ने कहा कि पुलिस ने भी बगैर जांच के पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। यहां जिला पत्रकार संगठन के अध्यक्ष चंद्रबल्लभ ओली, गिरीश बिष्ट, दिनेश भट्ट, लक्ष्मण बिष्ट, पंकज पाठक, विपिन जोशी, राहुल महर, सूरी पंत, सतीश जोशी आदि शामिल रहे। सपा जिलाध्यक्ष ललित भट्ट, सूरज पुजारी, दीपक जोशी, गोविंद सिंह, प्रदीप सिंह ने भी नाराजगी जताई। इधर, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पांडेय ने भी डीएम को ज्ञापन दिया।

कांग्रेस ने अपनी सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया

रुद्रपुर(संवाददाता)। में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपनी सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में दिल्ली में पार्टी प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने दो प्रमुख नेताओं राजकुमार ठुकराल और नारायण पाल को कांग्रेस की सदस्यता दिलाईराजकुमार ठुकराल और नारायण पाल की पार्टी में शामिल होने को आगामी चुनावों के लिए कांग्रेस की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। वहीं, ठुकराल की एंट्री के तुरंत बाद रुद्रपुर से कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया।

हौली पिपलाटी-ज्योसुड़ा मार्ग निर्माण को मिली वित्तीय स्वीकृति

चम्पावत (संवाददाता)। शासन की ओर से जिले के पाटी विकासखंड के ग्राम पंचायत हौली पिपलाटी से ज्योसुड़ा तोक तक सीसी सड़क निर्माण के लिए ₹60.20 लाख की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत दी गई है। इस परियोजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि का 60 प्रतिशत, अर्थात ₹36.12 लाख अवमुक्त कर दिए गए हैं। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि यह मार्ग निर्माण कार्य क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है।

निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हुआ, जिसमें दो मजदूर घायल

हल्द्वानी (संवाददाता)। नगर निगम क्षेत्र में एक निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हुआ, जिसमें दो मजदूर घायल हो गए। यह घटना मंगल पड़ाव पुलिस चौकी के पास घटी, जब निगम की एक दुकान की छत अचानक गिर गई।जानकारी के अनुसार, दुकान में पुरानी संरचना को हटाकर नया निर्माण किया जा रहा था। निगम अधिकारियों ने बताया कि लगभग 6 फीट का पुराना शटर हटाकर उसकी जगह मुख्य मार्ग की ओर 12 फीट का नया शटर लगाया जा रहा था। इसी प्रक्रिया के दौरान छत का हिस्सा अचानक ढह गया, और दो मजदूर मलबे के नीचे दब गए।घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। घायल मजदूरों को मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उनका उपचार किया गया। दोनों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी ने किया राजस्व लोक अदालत का शुभारम्भ

- 'न्याय आपके द्वार' अभियान को मिली नई मजबूती

- 'राजस्व न्यायालय प्रकरण प्रबंधन प्रणाली' से घर बैठे दर्ज होंगे भूमि विवाद

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में 'राजस्व लोक अदालत' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय व्यवस्था को अधिक सरल, सुलभ एवं प्रभावी बनाते हुए आम जनमानस को समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल न्याय सुलभता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र की भावना का विस्तार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सदैव इस बात पर बल दिया गया है कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरलता एवं शीघ्रता से पहुँचे।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व लोक अदालत का आयोजन वर्षों से लंबित राजस्व विवादों के त्वरित एवं सार्थक समाधान हेतु किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी विवाद केवल कागजी प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि इनके पीछे किसानों की भूमि, परिवारों की आजीविका एवं व्यक्तियों का आत्मसम्मान जुड़ा होता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में राजस्व विवादों के निस्तारण हेतु राज्य स्तर पर राजस्व परिषद, मंडल स्तर पर मंडलायुक्त न्यायालय, जिला स्तर पर कलेक्टर न्यायालय तथा तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालय कार्यरत हैं। वर्तमान में प्रदेश में 400 से अधिक राजस्व न्यायालय संचालित हैं, जिनमें लगभग 50 हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने 'सरलीकरण, समाधान, निस्तारीकरण एवं संतुष्टि' के मूल मंत्र के साथ 'राजस्व लोक अदालत' की अभिनव पहल प्रारम्भ की है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'न्याय आपके द्वार' की अवधारणा को साकार करते हुए प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 210 स्थानों पर एक साथ राजस्व लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 6,933 मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल के अंतर्गत भूमि विवादों के अतिरिक्त आबकारी, खाद्य, स्टाम्प, सरफेसी एक्ट, गुंडा एक्ट, सीआरपीसी, विद्युत अधिनियम, वरिष्ठ नागरिक अधिनियम एवं रेंट कंट्रोल एक्ट से संबंधित मामलों का भी समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण किया जाएगा।

केंद्र सरकार का तोहफा, उत्तराखंड के विकास को मिलेगी नई गति

देहरादून(संवाददाता)। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार द्वारा जारी पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) गाइडलाइंस में उत्तराखंड को बड़ी आर्थिक राहत और विकास के लिए मजबूत प्रोत्साहन मिला है। इस बार गाइडलाइंस में 'प्राइड ऑफ हिल्स' नाम से एक विशेष प्रावधान जोड़ा गया है, जिसके अंतर्गत पर्वतीय राज्यों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस महत्वपूर्ण पहल के तहत उत्तराखंड को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 3460 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन प्राप्त होगा, जो राज्य के बुनियादी ढांचे और समग्र विकास को नई गति देगा।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश में अवस्थापना विकास योजनाओं को दी वित्तीय स्वीकृति

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में अवस्थापना विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इन निर्णयों से राज्य में निवेश, पर्यटन, ऊर्जा, खेल और प्रशासनिक पारदर्शिता को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अधिकतम लाभ मिल सके।

राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु घ50 करोड़ तथा मेगा प्रोजेक्ट्स हेतु 350 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इससे विकास कार्यों को गति मिलेगी। ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के तहत त्रिवेणी घाट पुनर्विकास के लिए 106.78 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। साथ ही प्रथम चरण हेतु भारत सरकार द्वारा अवमुक्त 11.37 करोड़ का अनुमोदन भी किया गया है। इस परियोजना से गंगा तट का सौंदर्यीकरण होगा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी राहत दी गई है। लंबित दावों के भुगतान हेतु 20 करोड़ के पुनर्विनियोग को मंजूरी दी गई है, जिससे उद्यमियों को वित्तीय सहायता मिलेगी और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उप निबंधक कार्यालयों में अभिलेखों की सुरक्षा हेतु आधुनिक सीसीटीवी सर्विलांस और मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए 3.95 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। इससे अभिलेखों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।चंपावत में रोडवेज स्टेशन पर मल्टी स्टोरी पार्किंग और सिटी सेंटर निर्माण हेतु 62.33 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे यातायात प्रबंधन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। रोशनाबाद स्थित वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम के कबड्डी हॉल को ए.सी. युक्त बनाने हेतु 1.24 करोड़ का अनुमोदन किया गया है, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

संक्षिप्त समाचार...

हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण और लगाए टीके

देहरादून(संवाददाता)। हज यात्रा 2026 के लिए चयनित हज यात्रियों को कोरोनेशन अस्पताल में स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग के बाद वैक्सीन लगाई गई। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री खजान दास, हज कमेटी अध्यक्ष हाजी खतीब अहमद और वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स मौजूद रहे। उन्होंने इस प्रक्रिया का शुभारंभ किया और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। स्क्रीनिंग के दौरान यात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच की गई और आवश्यक टीकाकरण सुनिश्चित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम यात्रियों को संक्रमण से बचाने और उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए उठाया गया है। मंत्री खजान दास ने कहा कि सरकार हज यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, हज कमेटी अध्यक्ष हाजी खतीब अहमद ने बताया कि सभी यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं ताकि वे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करें।

अभियंताओं की भर्ती पर उठाए सवाल

देहरादून(संवाददाता)। आरटीआई कार्यकर्ता विजय वधन डंडरियाल ने विकास प्राधिकरणों में सहायक अभियंताओं (एई) के पदों पर सीधी भर्ती में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर आरोप लगाया कि बेरोजगार युवाओं के लिए आरक्षित सीधी भर्ती के पदों पर नियमों के विरुद्ध नियुक्तियां की गई हैं।

नमाज पढ़ने जा रहे युवक पर लाठी-डंडों से हमला, 11 हमलावरों पर केस दर्ज

रुड़की(संवाददाता)। नमाज पढ़ने जा रहे एक युवक पर कुछ युवकों ने बैल्टों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और युवक को बचाया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। वहीं, घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 11 आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित आदर्शनगर निवासी मोहम्मद समद ने बताया कि 23 फरवरी की रात वह पठानपुरा स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने जा रहा था। इस बीच पहले से रंजिश रखने वाले कुछ युवक रास्ते में खड़े थे। आरोप है कि उक्त युवकों ने गाली गलौज कर दी। विरोध करने पर युवकों ने बैल्टों और लाठी-डंडों से मारपीट करना शुरू कर दी। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचाई। घटना के बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। वहीं, घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज उपलब्ध कराकर कार्रवाई की मांग की थी। आरोप है कि पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था। इस पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली थी। अब कोर्ट ने पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि तहरीर के आधार पर साहिब उर्फ मन्नी, रिहान, मोहम्मद जैद, रहमान, मोनिस, सैफ, शाहरुख, आरिस, शोएब, शाकिब और एक अज्ञात निवासी मोहल्ला पठानपुरा, रुड़की के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेले में पुलिस ने ग्रामीणों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जनपद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत लमगड़ा क्षेत्र में आयोजित मेले में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर थानाध्यक्ष लमगड़ा प्रमोद पाठक ने ऐड़ी देव मंदिर, चारखाम ज्वारनेडी में आयोजित मेले के दौरान जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को डिजिटल अरेस्टिंग, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया। पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद करने वाले लोगों को मिलने वाले कानूनी संरक्षण के बारे में बताते हुए 'गुड समैरिटन' की जानकारी दी और जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी, महिला एवं बाल अपराध, नशे के दुष्प्रभाव, नए आपराधिक कानूनों और यातायात नियमों पर भी जानकारी दी गई।

हिन्दी दैनिक जोखिम

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 ओटीटी पर होगी रिलीज, 27 मार्च को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. फिल्म में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में देखने के बाद दर्शकों का उत्साह बढ़ गया था. इसके बाद अब ये फिल्म जल्दी ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने वाली है. अगर आपने भी अब तक ये फिल्म नहीं देखी है तो जान लें, ये कहां और कब रिलीज होने वाली है.मर्दानी 3 फिल्म थिएटर रिलीज के दो महीने बाद अब फाइनली ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 27 मार्च को रिलीज होने वाली है. इस बारे में खुद नेटफ्लिक्स के द्वारा ही बताया गया है. नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम पेज पर पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया है, जिसके साथ कैप्शन में लिखा है, क्रिमिनल्स के बुरे दिन शुरु. शेरनी आ रही है शिकार करने.मर्दानी 3 फिल्म जिस जोनर की है, वो थोड़ा स्लो ही चलती है. ऐसे में इस फिल्म ने भी कलेक्शन तोड़ा स्लो ही शुरू किया था. लेकिन इसने अपनी लागत तो निकाल ही ली थी. फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस में 74.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. तो वहीं भारत में फिल्म का कलेक्शन 60.50 के लगभग रहा है.मर्दानी 3 फिल्म 30 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. ये एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो यशराज फिल्म्स की साल 2016 में आई फिल्म मर्दानी का ही तीसरा भाग है. इन तीनों ही पाट्र्स में रानी मुखर्जी शिवानी शिाजी रॉय के किरदार में नजर आ रही हैं. इस बार फिल्म में रानी के किरदार ने मिसिंग गर्ल्स की खोजबीन की है. फिल्म के तीनों ही पाट्र्स को दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिली है.

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद, साल 2026 में रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

अक्षय कुमार के साथ भूत-बंगला से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका भूत-बंगला के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह टिकी टाका फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म जिनी में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।इसके अलावा वामिका दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग और पति पत्नी और वो दो में दिखने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि पति पत्नी और वो दो में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है।वामिका किकली के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। किकली आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म जी-2 में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी उस्ताद भगत सिंह, 7 दिनों में आध बजट भी नहीं कर पाई वसूल

पवन कल्याण की लेटेस्ट एक्शन फिल्म, उस्ताद भगत सिंह, की शुरुआत तो जबरदस्त हुई थी, लेकिन अब यह अपनी रफ्तार बनाए रखने के लिए काफी संघर्ष कर रही है. फिल्म को फैंस से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला लेकिन क्रिटिक्स से मिले-जुले रिस्पॉन्स के चलते इस कॉप ड्रामा के कलेक्शन में पूरे देश के सिनेमाघरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है. इसकी एक वजह ये भी है कि इसे धुरंधर 2 से मुकाबला करना पड़ रहा है और हैरानी की बात ये है कि अपने होम ग्राउंड यानी तेलुगु भाषी राज्यों में ही पवन कल्याण की फिल्म रणवीर सिंह की स्पाई एक्शन थ्रिलर से पिट गई है. चलिए यहां जानते हैं , उस्ताद भगत सिंह ने 7वें दिन कितना कलेक्शन किया है?उस्ताद भगत सिंह रिलीज के महज एक हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ गई है. फिल्म ने ओपनिंग तो धुआंधार की थी लेकिन फिर ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक नहीं खींच पाई और दूसरे दिन से ही ये सिंगल डिजिट में सिमट गई. अब वीकडेज में तो इसका बंटाधार हो चुका है और ये 2 करोड़ भी नहीं कमा पा रही है. रिलीज के 7वें दिन यानी बुधवार को तो इस फिल्म ने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है.उस्ताद भगत सिंह की कमाई की बात करें तो 34.75 करोड़ से खाता खोलने वाली इस फिल्म की कमाई में दूसरे दिन से ही गिरावट शुरू हो गई थी. इसने अपने सेकंड डे पर महज 9 करोड़ कमाए. इसके बात तीसरे दिन फिल्म ने 9.10 करोड़, चौथे दिन 7.50 करोड़, पांचवें दिन 2.50 करोड़, छठे दिन 1.75 करोड़ का कलेक्शन किया.

आधी पिनिसेट्टी और लक्ष्मी मेनन की हॉरर-थ्रिलर शब्दम्, ओटीटी पर कर रही ट्रेंड, सस्पेंस-डर का है कॉम्बो, कहानी देख छूटने लगेंगे पसीने

ओटीटी पर देखने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन अगर आपको सिर्फ डरावनी कहानी देखना पसंद है तो हम आपको साल 2025 में रिलीज हुई एक ऐसी हॉरर-थ्रिलर फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने 2026 में ओटीटी पर दस्तक दी। ऐसे में अगर आपको भी हॉरर जॉनर की फिल्में और सीरीज देखना पसंद है, जिसे देख रातों की नींद उड़ जाए, हर सीन को देख डर लगे और किसी की आहट से मन परेशान हो जाए। अरिवझगन द्वारा निर्देशित इस तमिल हॉरर-थ्रिलर फिल्म में आधी पिनिसेट्टी और लक्ष्मी मेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसकी कहानी, कास्ट और सीन देख आपको मजा आ जाएगा।

इस हॉरर-थ्रिलर फिल्म का नाम है शब्दम् है, जो फरवरी 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में रिलीज होने के एक साल से भी ज्यादा समय के बाद यह फिल्म अब ओटीटी पर उपलब्ध है। शब्दम् ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम हो रही है और यह 24 मार्च, 2026 को ओटीटी पर रिलीज हुई है। इसकी डिजिटल रिलीज के बारे में आधिकारिक जानकारी प्लेटफॉर्म ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए शेयर की थी।

शब्दम् एक पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की कहानी है, जो मुन्नार के एक मेडिकल कॉलेज में हुई रहस्यमयी मौतों की एक कड़ी के पीछे छिपी एक भयानक अलौकिक शक्ति का पता लगाता है। वह डॉ. अवंतिका के साथ मिलकर 40 साल पुराने एक रहस्य को सुलझाने की कोशिश करता है, जिसमें बच्चों पर किए गए दुखद प्रयोग शामिल हैं। जैसे-जैसे वह इन मौतों के बीच के संबंध का पता लगाने की कोशिश करता है, उसे एहसास होता है कि उसकी अब तक की खोज तो बस हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा भर है और इन सबके पीछे एक दुष्ट आत्मा छिपी हुई है। आखिर में वह इन्वेस्टिगेटर किस तरह सच्चाई का पता लगाता है, यही इस फिल्म में दिखाया गया है।

शब्दम् में मुख्य भूमिका में आधी पिनिसेट्टी हैं और उनके साथ लक्ष्मी मेनन, सिमरन, लैला, आरती अश्विन, रेडिन किंग्सले, एम.एस. भास्कर, राजीव मेनन, विवेक प्रसन्ना और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। तमिल रॉकर्स वेब सीरीज से मशहूर हुए अरिवझगन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को 7जी फिल्म्स और अल्फा फ्रेम्स के बैनर तले शिवा और एस भानुप्रिया शिवा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बता दें कि इसे आईएमडीबी पर 6.1 रेटिंग मिली है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

गैस, ईंधन व आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित, पैनिक होने की आवश्यकता नहीं : मुख्य सचिव

– चारधाम यात्रा से पहले मांग-आपूर्ति संतुलन, कालाबाजारी पर सख्ती और ग्रीन एनर्जी पर जोर

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य में गैस, ईंधन एवं अन्य आवश्यक कमोडिटीज की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में घरेलू एवं कमर्शियल गैस की उपलब्धता, अस्पतालों, शैक्षिक संस्थानों एवं उद्योगों की आवश्यकताएं, आगामी चारधाम यात्रा के दौरान संभावित बढ़ती मांग, उर्वरकों की स्थिति, पीएनजी पाइपलाइन विस्तार, सीएनजी आपूर्ति, कालाबाजारी एवं जमाखोरी पर नियंत्रण, अफवाह प्रबंधन तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

जनमानस को राहतख़्रकोई कमी नहीं, पैनिक न करें : मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि राज्य में गैस व अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अनावश्यक पैनिक होने से बचें।वैश्विक चुनौती को अवसर में बदलने का आह्वान : उन्होंने कहा कि विदेशी आयात पर निर्भरता कम करने और 2070 तक कार्बन न्यूट्रल लक्ष्य प्राप्त करने हेतु यह समय ग्रीन एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ने का है। उन्होंने सभी विभागों को घरेलू, औद्योगिक एवं परिवहन क्षेत्रों में वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के निर्देश दिए।

चारधाम यात्रा के लिए विशेष तैयारी : मुख्य सचिव ने पर्यटन व पूर्ति विभाग को निर्देशित किया कि चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ने वाली

गैस की अतिरिक्त मांग का सटीक आकलन कर प्लान बनाएं। केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त ईंधन के मांग की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराएं।कालाबाजारी और जमाखोरी पर कड़ी कार्रवाई : गैस, कच्चा तेल एवं उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में विशेष निगरानी और सर्विलांस बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए।उर्वरक वितरण में पारदर्शिता : मुख्य सचिव ने कृषि विभाग को निर्देशित किया कि यूरिया का अनावश्यक भंडारण न किया जाए तथा एग्रीटेक, फार्मर रजिस्ट्री और वास्तविक खेती के आंकड़ों को मैच करते हुए उर्वरक वितरण को लिंक कर दुरुपयोग रोका जाए।उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीएनजी पाइपलाइन से संबंधित अनुमति तुरंत प्रदान की जाए। फार्मा सहित विभिन्न उद्योगों में पाइपलाइन आधारित गैस उपयोग और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दें।नियमित प्रेस ब्रीफिंग से अफवाहों पर नियंत्रण : जनमानस तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर प्रतिदिन प्रेस ब्रीफिंग आयोजित करने के निर्देश दिए गए, जिससे अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।ग्रीन एनर्जी को मिलेगा बढ़ावा : मुख्य सचिव ने पीरूल ब्रिकेट, बायोगैस प्लांट, सोलर चूल्हे एवं सोलर कुकर को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। नगर निकायों को बायोगैस प्लांट अनिवार्य रूप से बढ़ाने तथा ऊर्जा विभाग को वैकल्पिक ऊर्जा के विस्तार हेतु तेजी से कार्य करने को कहा गया।परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर : सरकारी एवं निजी परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने तथा ट्रांसपोर्ट सेक्टर को ग्रीन एनर्जी आधारित बनाने के निर्देश दिए गए।प्रवासी उत्तराखंडियों के लिए सहायता तंत्र : खाड़ी देशों एवं मिडिल ईस्ट में फंसे नागरिकों की सहायता हेतु टोल-फ्री नंबर जारी करने के निर्देश देते हुए विशेष सचिव निवेदिता कुकरेती को राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किया तथा जिलों में भी नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा टोल फ्री नंबर जारी करने के निर्देश दिए।सप्लाई चेन पर कड़ी निगरानी : मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि गैस एजेंसियों एवं वितरकों पर नियमित निगरानी रखी जाए, स्टॉक रजिस्टर की दैनिक जांच हो तथा आपूर्ति में असंतुलन होने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। शादी समारोह जैसे अवसरों के लिए भी अतिरिक्त गैस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर बैठक में पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम व एल एल फैनई सहित वरिष्ठ अधिकारी, राज्य स्तरीय समन्वयक तेल कंपनी, आईओसी/ बीपीसीएल/ एचपीसीएल के राज्य स्तरीय अधिकारी सचिवालय सभागार में उपस्थित थे तथा जनपदों से जिलाधिकारी व संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार...

मौसम विभाग ने उत्तराखंड 3अप्रैल तक किया अलर्ट जारी

देहरादून(संवाददाता)। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के लिए 3 अप्रैल तक का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 29 से 31 मार्च तक राज्य के सभी जिलों में बारिश होने का अनुमान है। वहीं, ऊंचाई वाले क्षेत्रों यानी 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई पर बर्फबारी भी होगी। अप्रैल महीने की शुरुआत भी बारिश से होगी, जिससे मौसम में ठंडक बनी रहेगी।

29 मार्च को पूरे प्रदेश में बारिश होगी। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। अन्य जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च को मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दिन उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कई स्थानों पर बारिश और गर्जन के साथ बर्फबारी होगी। मैदानी जिलों में भी हल्की बारिश की संभावना है।31 मार्च को भी पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होगी। मैदानी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन की संभावना जताई गई है। अप्रैल की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में हल्की बारिश होगी, जबकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।

कैबिनेट मंत्री के दौरे के बाद जगी अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद

रुड़की(संवाददता)। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने शुक्रवार को सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया था। इसमें अनेक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी सामने आई थी। कैबिनेट मंत्री ने अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही अस्पताल को जिस भी स्टाफ और संसाधन की जरूरत है। उनको उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसके चलते अस्पताल प्रशासन ने एक पत्र कैबिनेट मंत्री को दिया है। इसमें सभी जरूरी सुविधाओं की एक सूची पत्र के माध्यम से दी है।

कार हटाने के विवाद में युवक ने कार सवार पर की फायरिंग, बाल-बाल बचा युवक

रुड़की(संवाददाता)। कार रास्ते से हटाने को लेकर विवाद में एक युवक ने कार सवार युवक पर पिस्टल ने ताबड़तोड़ तीन फायर झोंक दिए। किसी तरह युवक ने भागकर अपनी जान बचाई। गोली चलने से आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। इससे गुस्साए पर्यावरण मित्रों ने सफाई व्यवस्था ठप कर दी। पूर्व दर्जाधारी और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सफाई कार्य शुरू हो पाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर युवक के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। रुड़की के सिंचाई विभाग कॉलोनी निवासी गौरव कुमार शुक्रवार की देर शाम वाल्मीकि बस्ती में अपनी रिश्तेदारी में आया था। उसने रिश्तेदार के घर पर बाहर सड़क किनारे कार लगा दी।

संवासिनी की संदिग्ध मौत के मामले में मजिस्ट्रियल जांच हो: जनप्रहार

देहरादून(संवाददाता)। जन प्रहार ने नारी निकेतन में संवासिनी की संदिग्ध मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।इस मामले में निष्पक्ष जांच की जाए। कहा कि जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या मजिस्ट्रियल स्तर पर कराई जाए। शनिवार को जन प्रहार के प्रतिनिधि मंडल ने जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट से मुलाकात की और इस बात पर आपत्ति की कि बिना जांच के इस हादसे को आत्महत्या बताया जा रहा है। जन प्रहार के सह संयोजक पंकज सिंह क्षेत्री ने संवासिनी की मौत को लेकर सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि नारी निकेतन में एक संवासिनी की मृत्यु का मामला अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। कहा कि इस घटना को आत्महत्या बताया जा रहा है, जबकि परिस्थितियां कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती हैं। महिला का अपने परिवार, विशेषकर पति से नियमित संपर्क था और वह शीघ्र ही अपने घर लौटने वाली थी। कहा कि ऐसे में अचानक इस प्रकार की घटना होना संदेह उत्पन्न करता है। सवाल उठाया कि यदि महिला किसी मानसिक तनाव से गुजर रही थी, तो नारी निकेतन प्रशासन द्वारा उसकी समुचित निगरानी और परामर्श की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। कहा कि इस मामले में मंत्री रेखा आर्या से जल्द मुलाकात करेंगे। जन प्रहार की संयोजक सुजाता पॉल ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं, बल्कि महिला सुरक्षा एवं संरक्षण तंत्र की वास्तविक स्थिति को भी उजागर करती हैं। आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में नारी निकेतन में भी युवतियां सुरक्षित नहीं है। यदि उक्त महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी तो उसका इलाज किस डॉक्टर के द्वारा किया जा रहा था और उसकी देखरेख में कहां कमी रह गई?। जन प्रहार के सहसंयोजक एडवोकेट पंकज सिंह क्षेत्री ने कहा कि यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। घटना के समय तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की गहन जांच की जाए। प्रवक्ता रविन्द्र गुसाईं ने कहा कि नारी निकेतन जैसी संस्थाओं में रहने वाली महिलाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक – राजेश पंत
फोन नं0– 05946–254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com